

इरेडा ने 35वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की
वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक का सबसे अधिक लाभ अर्जित
किया गया
इरेडा ने बड़े संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक
वैकल्पिक निवेश कोष की योजना बनाई



नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक प्रतिष्ठान की 35 वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम), आज इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई। एजीएम में वित्तीय वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखों को अंगीकार किया गया।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि "कोविड-19 की दूसरी और तीसरी लहर के बावजूद, इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कर से पहले (पीबीटी) 833.84 करोड़ रुपये और कर पश्चात लाभ (पीएटी) 633.53 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक सर्वाधिक वार्षिक लाभ (पीबीटी) अर्जित किया है, जोकि वित्तीय वर्ष 2020-21 से क्रमशः 46.41% और 82.88% अधिक की भारी वृद्धि दर्ज की गई।"

इरेडा की ऋण की, वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति को 27,853.92 करोड़ रुपए से रुपए से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021-22 के समाप्ति पर 33,930.61 करोड़ रुपए हो गई है (21.82% की वृद्धि दर्ज करते हुए)। कंपनी ने पिछले वर्ष स्वीकृत 11,001.30 करोड़ रुपए में 117.44% की वृद्धि के साथ 23,921.06 करोड़ रुपए अब तक का सबसे अधिक ऋण स्वीकृत किया है और पिछले वर्ष से 82.04% की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज करते हुए

16,070.82 करोड़ रुपए अब तक का सर्वाधिक ऋण संवितरित किया है। इसके अलावा, नेट एनपीए वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति पर 5.21% की तुलना में कमी कर वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 3.12% कर दी गई है तथा इसी प्रकार सकल एनपीए वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति पर 8.77% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 की समाप्ति पर 5.21% कमी कर दी गई है।

भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डालते हुए, इरेडा के सीएमडी ने कहा कि, “इरेडा बड़े संस्थागत निवेशकों जैसे पेंशन फंड, बीमा फंड, पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस फंड शा आदि को टैप करने के लिए एक वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) के रूप में एक ऋण कोष स्थापित करने की प्रक्रिया में है। एआईएफ उन उधारकर्ताओं के लिए नई परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए इरेडा की भी मदद करेगा जो एक्सपोजर सीमा के करीब हैं। इसके अलावा, कंपनी पास-थ्रू सर्टिफिकेट जारी करके एसेट-बेस्ड सिक््योरिटाइजेशन (एबीएस) करने की भी योजना बना रही है”।



Press Release

IREDA holds 35th Annual General Meeting

Registers Highest Ever Profit in FY 2021-22

IREDA plans an Alternate Investment Fund to tap large institutional investors



New Delhi, August 10th, 2022

The 35th Annual General Meeting (AGM) of the Indian Renewable Energy Development Agency Ltd. (IREDA), the PSU under the Ministry of New & Renewable Energy, was held today at India Habitat Centre, New Delhi. The annual accounts for the financial year 2021-22 were adopted at the AGM.

Addressing the Shareholders, Shri Pradip Kumar Das, Chairman & Managing Director (CMD), IREDA, highlighted that, "despite 2nd and 3rd waves of COVID-19, IREDA has reported a historic all-time high annual Profit Before Tax (PBT) of Rs. 833.84 crore and a Profit After Tax (PAT) of Rs. 633.53 crore in FY 2021-22, thereby registering a massive growth of 46.41% and 82.88%, respectively, over FY 2020-21."

The Loan Book of IREDA has grown from Rs. 27,853.92 crore as at the end of FY 2020–21 to Rs. 33,930.61 crore as at the end of FY 2021–22 (registering a growth of 21.82%). The company has achieved the highest-ever loan sanction of Rs. 23,921.06 crore, with a growth of 117.44% over the previous year's sanction of Rs. 11,001.30 crore and the highest-ever loan disbursement of Rs. 16,070.82 crore, registering a record increase of 82.04% over the previous year. Also, the Net NPAs have been reduced to 3.12% ending FY 2021-22 as against 5.61% at the end of FY 2020-21 and Gross NPAs have been reduced to 5.21% ending FY 2021-22 as against 8.77% at the end of FY 2020-21.

Highlighting the future strategies, CMD, IREDA said, "IREDA is in the process of setting up a debt fund in the form of an Alternate Investment Fund (AIF) to tap large Institutional Investors viz, Pension funds, Insurance Funds, Environmental, Social and Governance Funds, etc. AIF will also help IREDA in financing new projects for borrowers who are nearing the exposure limit. Further, the company is also planning to do Asset-Based Securitization (ABS) by issuance of Pass-Through Certificates."


